(i) **Printed Pages : 4** **Roll No. .....**

(ii) **Questions : 9** **Sub. Code : 0 1 1 2**

Exam. Code : 0 0 0 2

B.A./B.Sc. (General) 2nd Semester

1046

SANSKRIT (Elective)

Paper : Katha, Niti Avam Vyakaran

Time Allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 90**

नोट :— उत्तरों का माध्यम संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी या पंजाबी में से एक भाषा हो। सभी प्रश्न क्रमशः करने का प्रयत्न करें। उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न संख्या प्रश्नपत्र के अनुसार लिखें। प्रश्नों के सभी भाग इकट्ठे और क्रमशः करने की कोशिश करें। सुन्दर-संक्षिप्त और सारगर्भित लेखन को प्राथमिकता दी जाएगी।

I. निम्नलिखित गद्यांशों में से **एक** का सप्रसंग अनुवाद करें :—

(क) कस्मिनश्चिदधिष्ठाने चत्वारो वाह्नणः परस्परं मित्रत्वमापन्ना वसन्ति, बाल्यभावे तेषां मतिरजायत्— 'भो ! देशान्तरं गत्वा विद्याया उपार्जनं क्रियते। अथाऽन्यस्मिन्दिवसे ते ब्राह्मणाः परस्परं निश्चयं कृत्वा विद्योपार्जनार्थं कान्यकुब्जे गताः।

(ख) अथाऽपराह्नसमये प्रहृष्टास्ते धीवराः स्वगृहं प्रति प्रस्थिता गुरूत्वाच्चैकैन शतबुद्धिः स्कन्धे कृतः। सहस्रबुद्धिः प्रलम्बमानो नीयते। ततश्च वापीकण्ठोपगतेन मण्डूकेन तौ तथा नीयमानौ दृष्ट्वाभिहिता स्वपत्नी ! पश्य — पश्य —

(ग) अथ "तथा" इति व्यन्तरेण प्रतिज्ञाते, स कौतिकः प्रहृष्टः स्वगृहं प्रति निवृत्तो यावदग्रे गच्छति तावद्ग्रामप्रदेशे निज सुहृदं नापितमपश्यत्। तत्स्तस्य व्यन्तरवाक्यं निवेदयामास मत अहो मित्र ! मम कश्चिद् व्यन्तरः सिद्धः। 1×5=5

II. निम्नलिखित श्लोकों में से **दो** की सप्रसंग अनुवाद एवं व्याख्या करें :—

(क) उत्सवे, व्यसने प्राप्ते, दुभिक्षे, शत्रुसंकटे।
राजद्वारे, श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धवः।।

(ख) सर्पाणां च खलानां च सर्वेषां दुष्टचेतसाम्।
अभिप्राया न सिध्यन्ति, तेनेदं वर्तते जगत्।।

(ग) न तत्स्वर्गेऽपि सौख्यं स्यादिदव्य-स्पर्शेन शोभने।
कुस्थानेऽपि भवेत्पुसां जन्मनो यत्र संभवः।।

(घ) चारणैर्बन्दिभिर्नीचैर्नापितैबाल मैरपि।
न मन्त्रं मतिमान्कुर्यात्सार्धं भिक्षुभिरेव च।। 2×5=10

III. 'लोक व्यवहार ज्ञानशून्य मूर्ख पण्डितचतुष्टयकथा' अथवा 'शतबुद्ध यादिमत्स्यकथा' का सार लिखें। 5×1=5

IV. निम्नलिखित श्लोकों में से **दो** की सप्रसंग अनुवाद एवं व्याख्या करें :—

(क) लांगूलचालनमधश्चरणावपातं
भूमौ निपत्य वदनोदरदर्शनं च।
श्वा पिण्डदस्य कुरुते गजपुंगवस्तु
धीरं विलोकयति चाटुशतैश्च भुंक्ते।।

(ख) कुसुमस्तबकस्येव द्वयी वृत्तिर्मनस्विनः
मूर्ध्नि वा सर्वलोकस्य शीर्यते वन एव वा।।

(ग) सिंहः शिशुरपि निपतति मदमलिनकपोलभित्तिषु गजेषु।
प्रकृतिरियं त्रित्ववतां न खलु वयस्तेजसो हेतुः।।

(घ) यस्यास्ति वित्तं स नरः कुलीनः स पण्डितः सञ्तुतवान् गुणज्ञः।
स एव वक्ता स च दर्शनीयः सर्वे गुणाः काञ्चनमाश्रयन्ति।।
2×5=10

V. निम्न सूक्तियों में से **एक** की सप्रसंग व्याख्या करें

(क) नाना फलैः फलति कल्पलतेव भूमिः।

(ख) सर्वः कृच्छ्रगतोऽपि वाञ्छति जनः सत्त्वानुरूपं फलम्।

(ग) कूपे पश्य पयोनिधावपि घटो गृह्णाति तुल्यं जलम्।। 1×5=5

VI. निम्न शब्दों में से **दस** को संस्कृत में लिखिए :—
खरगोश, गाय, छिपकली, बकरा, भैंस, हिरन, कोयल, मोर, तोता, हंस, आम, कमल, गेंदा, पराग, लता। 1×10=10

VII. निम्नलिखित अव्ययों में से **पाँच** का वाक्यों में प्रयोग करें :—

(क) कथम्, परश्वः, सद्यः, पुरतः, पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, नीचैः, बहिः, अन्तः। 5×1=5

(ख) बारह राशियों अथवा दश दिशाओं के नाम लिखें। 5×1=5

(ग) निम्नलिखित अंकों में से पाँच को संस्कृत में लिखिए :—
51, 58, 60, 67, 72, 78, 83, 88, 94, 100. 5×1=5

VIII. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** का रूप लिखें :—

(क) मातृ, युष्मद, गुरू, भवत। 2×5=10

(ख) निम्न धातुओं में से किन्हीं **दो** का निर्दिष्ट लकारों में रूप लिखें :—

√ लिख (लोट् लकार) √ भू (लृट् लकार) √ त्यज् (लट् लकार) √ स्मृ (लङ्ग लकार)। 2×5=10

IX. निम्न वाक्यों में से **पाँच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें :—

(क) तू संस्कृत पढ़ता है।

(ख) मुनि केवल फल खाता है।

(ग) व्यायाम से शरीर पुष्ट होता है।

(घ) वीरों ने प्राण दिये।

(ङ) राम ने रावण को मारा।

(च) हनुमान लंका गया।

(छ) तू चिरायु हो।

(ज) तू सौ वर्ष जिए।

(झ) प्रातः उठो।

(ञ) वह कल राजा बनेगा। 5×2=10